की घटना, तीन वर्ष के कारावास का दण्डउत्तमान जई में सेना का आतंक, कांग्रेस से मित्रता के प्रयत्न

चतुर्थ अध्याय 59-82

नया युग : कांग्रेस के साथ, कांग्रेस में सम्मिलित होने की घोषणा, सरकार द्वारा प्रलोभन, कांग्रेस द्वारा सीमा प्रान्त के लिए जाँच समिति, उतमान जई में सेना का घेराव, राजनीतिक अभिकर्ता को करारा उत्तर, कारावास से मुक्ति, फिरंगी का दूसरा सींग भी तोड़ डालो, कराची कांग्रेस अधिवेशन में, देवादास गांधी सीमा प्रान्त में, नगर कांग्रेस समिति से मतभेद, गिरफ्तारी, पठानों पर अत्याचार, हज़ारी बाग़ जेल में, मुक्ति और गिरफ्तारी की आंख मिचौली, सीमा प्रान्त का प्रथम कांग्रेसी मन्त्रिमण्डल, कांग्रेस से त्यागपत्र

पंचम अध्याय 83-98

नये युग के नये कार्य, पुनः कांग्रेस में, जातीय केन्द्र की स्थापना, खुदाई खिदमतगारों के लिए कोष, अवज्ञा आन्दोलन, कबाइली क्षेत्रों में शिष्टमण्डल, हरिपुर जेल में, मुक्ति और उसके बाद, बिहार का दौरा, पेशावर में राजनीतिक दलों की सभा, पंजाब प्रवेश पर प्रतिबन्ध, नेशनल कान्फ्रेंस के अधिवेशन में

षष्ठ अध्याय 99-115

पाकिस्तान का जन्म, कांग्रेस मुस्लिम लीग में समझौते के प्रयत्न, कांग्रेसी मन्त्रिमण्डलों पर मुस्लिम लीग के आरोप, 1945 की शिमला कान्फ्रेंस, अविभाजित भारत के अन्तिम आम चुनाव, सीमा प्रान्त में कांग्रेस की भूलें, अन्तरिम सरकार, नेहरू का सीमा प्रान्त का दौरा, सीमा प्रान्त में जनमत संग्रह, पाकिस्तान के विषय में बादशाह खान का दृष्टिकोण, भारत विभाजन

सप्तम अध्याय 116-142

पाकिस्तान में, सीमा प्रान्त में मुस्लिम लीग का मन्त्रिमण्डल, पाकिस्तान में अस्थिरता का प्रारम्भ, मन्त्रिमण्डल बनाने का सुझाव, पाकिस्तान की संसद में भाषण, जिन्नाह से भेंट, जिन्नाह से मिलने न दिया, पुनः भेंट, पाकिस्तान में प्रथम बार बन्दी, नजरबन्दी, पाकिस्तान 'एक इकाई' का प्रश्न, इकाई विरोधी मोर्चा, भाई द्वारा भाई की गिरफ्तारी, उच्च न्यायालय में लिखित वक्तव्य, काश्मीर समस्या, प्रादेशिक संघ, ग्रामों की उन्नति की योजना, पाकिस्तान नेशनल दल में, अस्तस्थता, काबुल में, समय-समय पर भारत आगमन, महाप्रयाण 143-160

अष्टम अध्याय

जीवन दर्शन, अतीत पर अभिमान, धर्म और राष्ट्रीयता जाति और जन्म स्थान, जात की उन्नति और अवनति के कारण, बलिदान आवश्यक, सतत संघर्ष, प्रगतिशीलता, लोकतन्त्र, व्यर्थ प्रशंसा की मृत्यु की सूचक सेवा भावना, अहिंसा, अहिंसक युद्ध, हिंसा-घृणा, अहिंसा प्रेम, सदाचार, सत्य की सदा जय होती है, साम्प्रदायिक सद्भावना।